

भलो देकुल देवता को दोष दूः पुजा ग्रनु दिन द्वा प्राति को

॥६॥ कंनेन गत पुद्गत हेप्रि देकः ची तार्यो को काम पुगला ये
वि तकि सेर सिधि होला ॥ सुरोहनन स केवति होलाः वृष्टिः काम
गरेयः क सैले सो जो अरति देलाः अफनु आत वृष्टि काः काम ग्रनु

वृष्टि देवात पुद्गत हेप्रि देकः ग्रि हे सधि म दूः सु सु

म दूः अ न पत जि ये षति दुष कले सा व उते दू ॥ र सु ठ मि अ प

नि स र ठ होला ॥ व रुते वा त के क रु ॥ अ वरो मि वा त पुद्गत हेप्रि काः

ते गो हो गुना हो भलो दूः अनं दूः दे व पा ल दे व ता को दोष दूः पुजा

गुररः जल म सा को दोष दूः अं दि नि नु त वनि को होला ॥ ७ ॥ त

गने प दू त हेप्रि दे क वि ता ये को को म प ग ला त व भलो हो

दे क वि ता ये को को म प ग ला त व भलो हो

न स ग मि ल को म ग र र म त भ लो होला ॥ अ व वि हे

व ता हेप्रि दे क ग्रि हे ल भ दूः ग्री हे दे वि प हि मी द सा ते र से ते

र पु ल न वि दे दूः ते स का ग्रा स पा ल पाः र वि दे उ ता को गान

ते स को पु जा ग्रनु त व भ लो होला ॥ अ वरो मि वा त पुद्गत हेप्रि दे क

को गु न लो भ लो दूः सं ने वं द वे था दूः सु ष ल नि नेः पे ट क रा ड ने हो

लाः इ ला ज ग्रनु को होला ॥ ८ ॥ वि द्या ल ग न पुद्गत ते हेप्रि दे क

रा वि ता ये को को म प क ला सि धि देः अ ल ठि लो होला अ न लो भ लो

ला ॥ अ व वि हे वा त पुद्गत हेप्रि दे कः ग्री हे और र मं ते ये प्र म

१ हे ग्रेक वि तगरिका मगर रस भलो होलाः॥ प्र व रौ गि वा त उ द
त हे प्रि दे कः रोगि को गु नालो गा हा रो दः ग्र ह को दोष दः ग्र ह
को पु ग्रा ग्र नः व ह्ना नो ज दि नः ग्र ह का ति हो लाः मन ले वि ता ये
प क ला ॥ १॥ अन लगन पु द्द त हे प्रि दे कः मन ले त का ये को ला
म ग्रा जे पु क ला भ लो दः तर य क स तु र को दा व द क सो न
सु ष को म सि न हो लाः लो सो दः कु मि लो दः त स स त र ले न ल
हे दः सु रो भ र् व स नुः ये क वि त कि ये स भ ले हो लाः

२ लो दः भ थोर दः ग्री हे का पु रु व दि लाः प्र हे
कु ल को वो ट दः ये क प द्द म दि लाः तु लो वि दे दः ते स का
म मा स माः ना ग को वा स दः पु ग्रा ग्र न त व नि को हो लाः॥ प्र व रौ गि
वा त पु द्द त हे प्रि दे कः रोगि को गु नालो भ लो दः आ फ ना द्द र को
कु ल दे व ता को दोष दः जा क प नि र हे दः पु रु व दि ला दे वि
को पु ग्रा ग्र नः गान प नि र हे दः ॥ १०॥ म क ल गन पु द्द त हे प्रि दे

३ ता ये को का म नी को दः ज म न दः का यान रा जा को भ ये दः
न र को ज ये हो लाः॥ ग्री हे ग्र नु प व व ली दि नः व ह्ना न जो जा द न
त स धी हो लाः ॥ ११॥ प्र व रौ गि वा त पु द्द त हे प्रि दे कः ग्री हे स स भ दः
ग्री हे दे वि दे वि न दी ला ते रः दु र् ली र भ ये का को ठ गी र हे दः
स ग्रा स पा स मा भु मे दे व ता को दोष दः ता हा का डो व

ठ हः ते सै को पुना ग्रनुः न स के श्री हे हो डि दे उ नि को है न ॥
अ व रोग वा त पु ह त है श्री दे के रो गि को गु ना लो गा हो हः आ पर
ना ध र को मु को दो ष हः डा हि नि प नि आ फ नु हो ध र को हो
लाः ते रा मं मा प नि हो ला ॥ ५९ ॥ क म म ल ग न पुं ह त है प्र हे त है

ना ये को का म र लो हः अ लि ठि लो हो ला जो ज सि ध हो
म पु क लाः ॥ अ व ग्र हे वा त पु ह त है प्र हे कः ग्र हे धि र हः
अ हे को प हि म दि लाः पा नि हः ते सै का न जि कै पु ल को वो ठ हः
हः रू खे दे व ता को वा स हः ते सै को भा ना ग्र नु सु भ हः ॥ अ व रा
वा त पु ह त है प्र हे कः रो गि को गु ना लो भ लो हः वि रा न व स्रा से को
हः ते सै को भा व ना गरि दि नु दि न ९९ मो नि को हो लो ॥ ५९ ॥

ल ग न पु ह त है प्र हे कः सी ता ध्या को का म पु क लाः
पु क लाः भुं वि ला भः द वे ला भ ॥ गि हे ला भ ह आ टे को कु री ह का
॥ श्री हे वा त पु ह त है प्र हे कः ग्र हे सु भ हः अं न ध नं ल ह नि थ
हः अ न पु ना हो ला ॥ अ व रोगी वा त पु ह त है प्र हे कः रो गि को गु
ना लो भ लो हः कु ल दे उ ता को दो ष हः पे ठ क रा उ नेः दे हि धा तु
हो लाः वि ग्र प नि र हे ह ॥ x x x x x x x x x x x x x x x x

कार्तिक

मंसिर



परेवानमिपुर्वजोगिनिः दुतिस्मादसामिउत्तरजोगिनिः क्रिगतया
 येकादसिआग्नेजोगिनिः जोधीदादसिनेकृतेजोगिनिः पंचमि
 नयोदसिदक्षिणजोगिनिः षष्ठिपुत्रदीसिपश्चिमाजोगिनिः सप्तमि
 पुर्णमासिवायुवेजोगिनिः अष्टमिउत्तरदिक्कारजोगिनि॥१॥

॥ श्रीकालविचारनमे ॥

॥ श्री कालविचारनक्षेत्र ॥

सुवारः पूर्व उत्र न जानुः काल

आ ई त वार ॥ उत्र कालः न जानु

वार ॥ वायु वेदि साः कालः न जानु

मेल वार ॥ पद्म मदि साः कालः न जानु

वुध वार ॥ नैरि तोदि सा कालः न जानु

हृ वार ॥ दक्षि नदि सा कालः न जानु

ष वार ॥ आग्निंदि सा कालः न जानु



अथ बुद्धरो वने कहं ॥ न द्वे त्रः रो हेनि ॥ मघा ॥ वित्रा ॥ ३५ ॥
ना ॥ येति लुभा ॥ वार ॥ पुष्य ॥ विहि वार ॥ तिथी ॥ १ ॥
॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ लुभ

अथ नया फल पाने कहं ॥ न द्वे त्र ॥ पुर्व मघा ॥ गुनी ॥ अ
राधा ॥ मिगसिरा ॥ मूल ॥ वित्रा ॥ मूल ले साधा ॥ रेव
॥ ३५ ॥ अलुनि ॥ हस्त ता ॥ येति लुभा ॥ वार ॥ पुष्य वार
॥ १ ॥ पुष्य ॥ तिथी ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ लु

अथ गो ठ सा रने ॥ न द्वे त्र ॥ स्वाति ॥ मिगसिरा ॥ धने स
ठ ॥ ति वे ॥ रे वृत्ति ॥ अलुनि ॥ हस्त ता ॥ ३५ ॥ पु ॥ वार का
ला ॥ जो गिनि ॥ रे वृत्ति ॥ पु ॥ ति थि ॥ ३० ॥ टा ॥ १५ ॥ येति ति
थि नलिनु ॥ अरु ति थि लिनु ॥

अथ बालम प्र दे सलै ने कहं ॥ लुकु लाप दै ॥ न द्वे त्र ॥ ३५
हस्त ता ॥ अनुराधा ॥ अलुनि ॥ रे वृत्ति ॥ वार ॥ पुष्य वार ॥ विहि
वार ॥ लुकु वार ॥ ति थि ॥ ३५ ॥ २ ॥ ४ ॥ ६ ॥ ८ ॥ १० ॥ १२ ॥ लु ॥ २ ॥ ४ ॥

८॥ ११॥ सुभ॥

॥ कां देउ नो काहु ॥ मा स॥ १॥

॥ ३॥ ५॥ १०॥ लं गं ॥ २॥ ५८॥ ११॥

मि त्मारि लाउ ने कहुं ॥ न द्वे त्र ॥ वि त्रा ॥ अनु रा धा ॥ मि ग सि
ति धे ॥ ह स ता ॥ सु भ

प्र भ धर सु ने क हुं ॥ न द्वे त्र ॥ ह स ता ॥ ति धे ॥ पु न व लु ॥
ति ॥ स्व त भी षा ॥ रे व ति ॥ उ त्र फ्य गु नि ॥ अनु रा धा ॥
ग सि रा ॥ पु र्व फ्य गु नि ॥ ध ने स ट ॥ ये ति न द्वे त्र लु
॥ वा रः वु ध वा र ॥ वि हि वा र ॥ सु प्र वा रा ये ति वा र
ति थी ॥ २॥ ३॥ ५॥ १०॥ १३॥ सु भ

दे ज रो प प न्या क हुं ॥ न द्वे त्र ॥ ह स ता ॥ अ लु नि ॥ ति धे ॥ उ त्र
भा द्रा ॥ से हि नी ॥ वि ला षा ॥ अनु रा धा ॥ रे व ति ॥ म ग सि
रा ॥ स्वा ति ॥ ध ने स ट ॥ म धा ॥ सु ल ॥ ये ति न द्वे त्र लु भ ॥
वा रा ॥ वु ध वा ॥ वि हि वा ॥ लु प्र वा ॥ ति थी ॥ १॥ २॥ ३॥ ५॥
॥ ६॥ सु भ

ॐ मा हं म गुरु गो ॐ मा हा लं गे त्व रिसि धा गुरु मा हा त व
ले गुरु मा हा त वा ले गुरु पृ षं षं द गुरु पा र ल ला धा रि म
निसि ला प थ ह को रि जा क्त र्त भ या को मो लं गे सो रि धि धा गुरु
वा व हे न मो मो : मो लं गे सो रि सि धा गुरु तु मा रे वा न पे क तो
रा भी ले उ : तु मा रा वा न प्र क ह त वो क सि ला क ता रि ले उ ध रा
रा च लि प्रा व सु रा सु रा च लि प्रा व प्रा व लं गे सो रि सि धा गुरु
तु मा रा वि कु लि वा न वे लि वे लि प्रा व तु मा रे वा वा वा न वे
वे लि प्रा व मा हा भ स म मे इ सो रि भ वि छे गु न च लि प्रा व को
तु ना द्यो रा तो ला को तु ना कि नि तो ला को तु ना वो क सि तो ला
को ना म लि म ता न तो तो ला स्य शे ष न कि नि म न ग रि च ला उ
तु वे र ग त ग रि च ला उ मे रे लं गे सो रि सि धा मु धे र ग त वि
वि च ला उ न मे रा त मे त्व रि उ र्द ह म रा उ र्द वो क सि कि सि र
के रो प्रा षि त ल क्क मा रि च ला उ ता त वा उ व क्क क्क के रि च ला
उ व ला उ न मे रा लं गे त्व रि च ला उ न मे रा भ स मे त्व रि : १ : की

पा वा र वा वा ३ वा वा वा धि व ला उ भ ल ला सो व से थुं सि स्या ला
प्रो स्ये नो म सि ई मा मे लो द्वे प सिः सा ला कु सिं व सि ई धो क
पा ल पु गु लोः स थं म रि थु म जा ई थु म थै लाल ई थु म
ला के थु म भे दा उ मा रा उ मे रा लं लं जे सो ई नै मा रा
उ फ ला ना ला म व म सि उ क स्या ला फ त ल्या ला ॥ १ ॥ प्रो मं
र स कु सा ध न वै त ला को मा तो र को प्रे को पि थो को र्को
मा तु ल्या ई स नु का ना म ग रि ना धि दि ने कौ सि यो ज पि
॥ १ ॥ प्रो मं र स नु वि ना लो ई जा

१ भूत को दोष भंनुः

२ भैरव को दोष भंनुः

३ बिगार भंनु के रघु र दोष

४ डीनि को दोष भंनुः

५ कुल देवता को दोषः

६ बिगार के मला दोषः नाग

७ प्रसै जग को देव प्रज देवता

८ म को दुष्ट भंनु ॥

९ भगल को दोष ॥

१० जल मसान दोष ॥

११ देवी दोष के देव रति के श्री मणिः

१२ भुवि वसं धरा को दोष

वसु ॥

आति ॥

मयका ॥

वसु ॥

काल वेलाः श्रुत क - १

लाभ वेलाः लाभ तः धन - २

उदेक वेलाः पदितो हो - ३

सुभा वेलाः सुभ होई - ४

अमरित वेला ॥ अमरित पीय

वसु वेलाः दुष्ट पावे - ५

रोर वेलाः बेयाला मे - ६

ॐ स्वस्ति श्री लक्ष्मि तम रासि व्रज दुत्वा इति नै
प्रारुत रफो ग दुलधर्ज रासि मे ष ।

कख गघ ङ को मृदु साधु गकां द्यो मे धन स सि १३
 यद्य ज झ न को सिंग न र्ग सा या मि न रा सि १२

८८५७ रा को स्यन वर्ग प्राप्ता कृत कत रासि ५

नयदधनको नागवर्गधं नरासि — ७

पक वमम नो म सा व र्ज सिं ग स सि ५

यं रत्नं सद्यः को नृपतिवर्जितं लासि

विष्वक्को रासि

न जा को वि का र सि

पर्यको कं नैरास्ति

मे वल्लभगनको भुतको दोस — १

विषलगनको भैरवको दोस — २

कायमैधुनलगनको विगारकुल देवको दोस — ३

प्रकृतलगनको राखीको सेख सेता प साहुक त्यागको

सिंजलगनको प्राणनाथरको कुलेन देवको दोस — ४

कनैलगनको मसानको

कुललगनको सुसैनगाको वनपाल देवताको दोस — ५

धनलगनको भाकलको दोस — ६

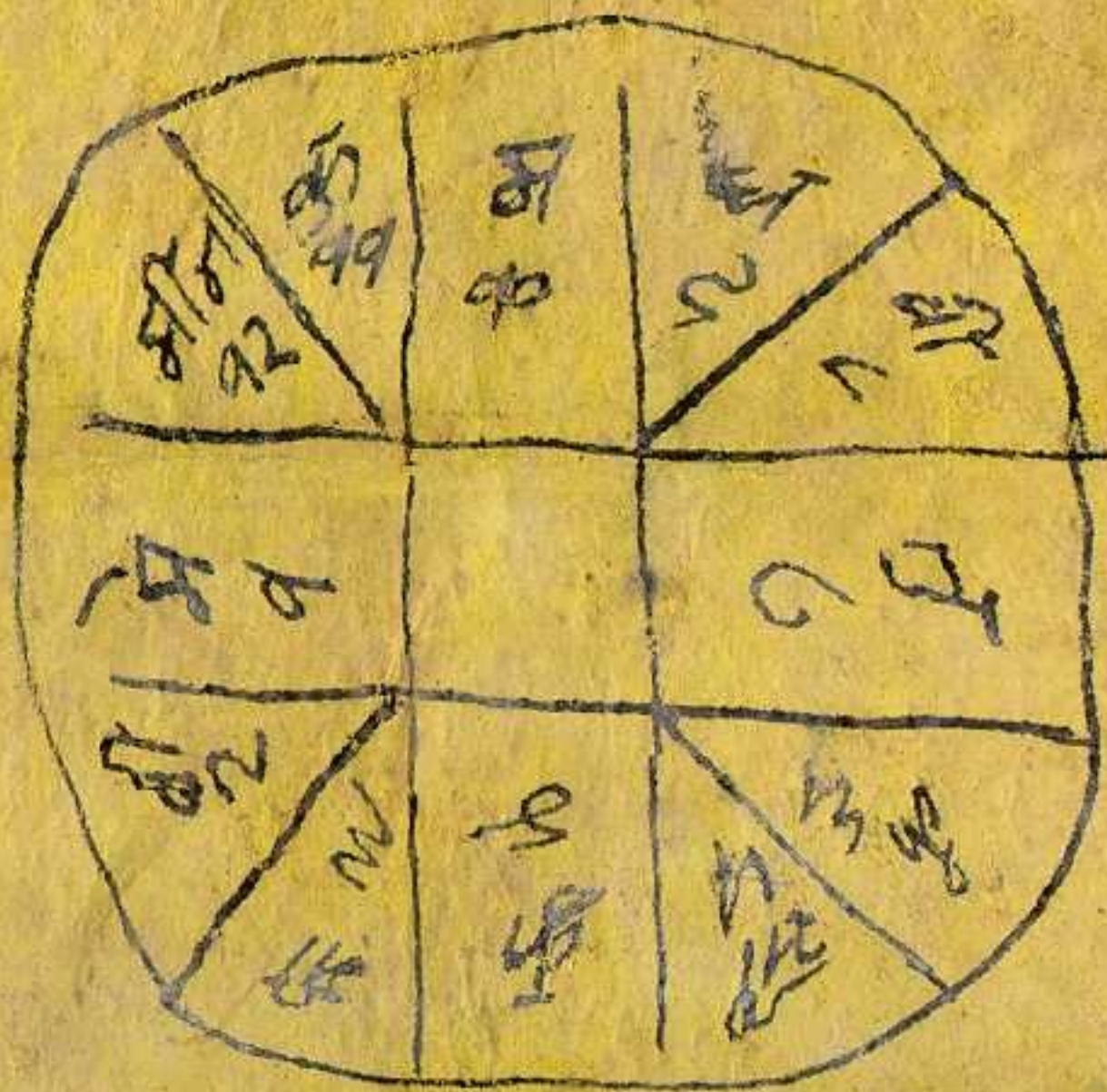
विहालगनको दुलुआ भुतको दोस — ७

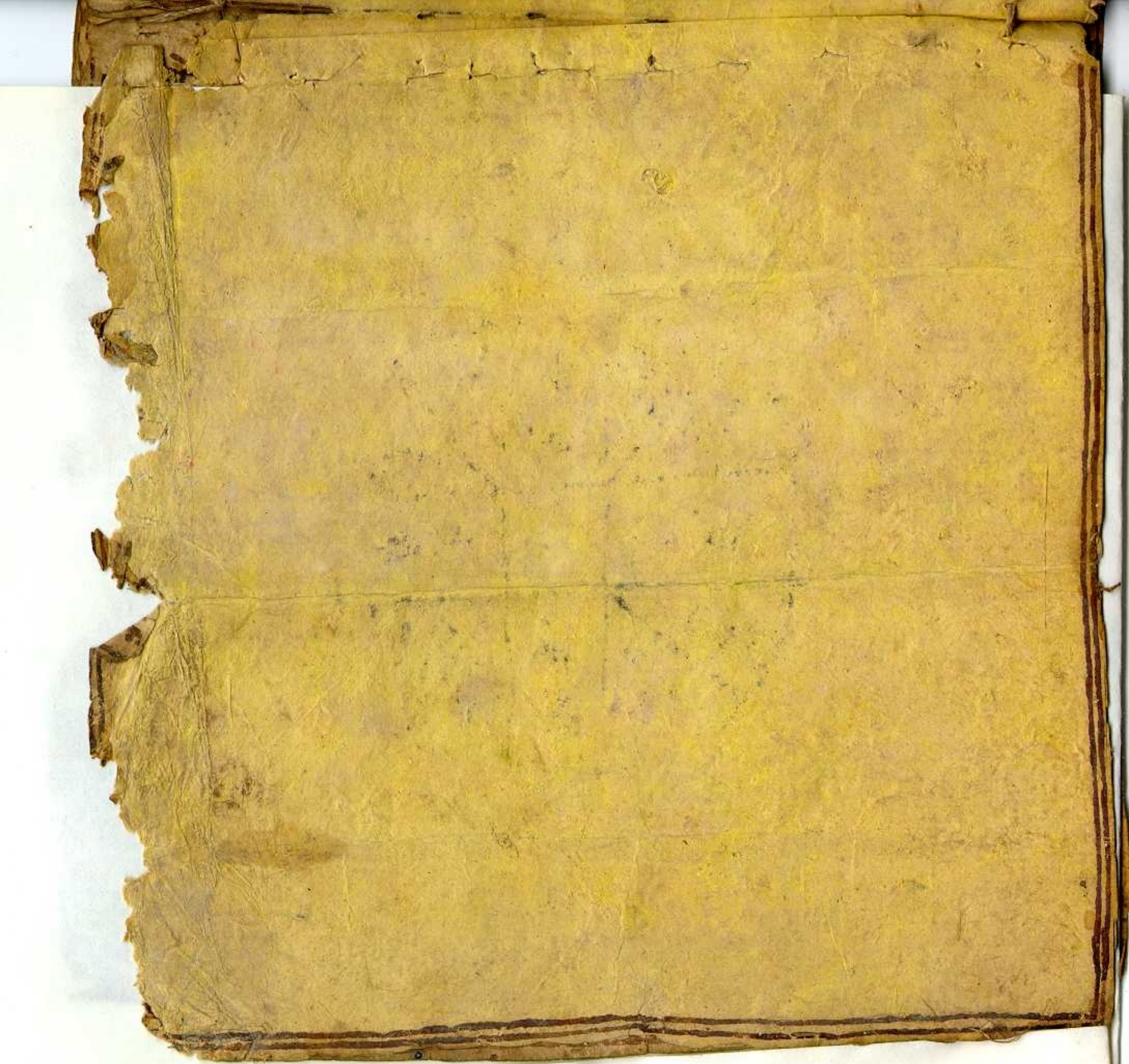
पामकरलगनको नमसानको दोस — ८

आभासलगनको देवि देव रालिको दोस — ९

राजलगनको भुमेको देउताको दोस — १०







अथ का न वा जे को विचार ॥ भावन ॥ वास त अंन प्राणि पाउ
मि आव दे ॥ दाहिना वास त जे सि श्री होला ॥ सह कर ॥ वास तला
भ होला ॥ विकल ॥ वास त दाहन सु भ होला ॥ वा मे वार त
कल ह होई ॥ वेदान ॥ दाहिना वास तला भ होला ॥ दुई कान वास
कल ह वा त आ वै ॥ त्रिमना ॥ दुई कान वास त कल ह होला ॥ उ
न ॥ दाहिना वास त सम वा र आ वै ॥ वा मे वास त कल ह होला
अति ॥ दाहिना वास तला भ होला ॥ बडि वास त वर किना स वा
ज प्र ॥ ज रा म र नं ॥ दाहिना वास त अरो जे होई ॥ येति कान
वा जे को विचार सु ॥

अथ दोह करे कोवि वार ॥ धर करे कोवि सुभ ॥ वारति कर तः ॥ लाभ ॥
दाहिना प्राप्ति कर तः मा हा लाभ ॥ वाडि आधि कर तः कोल पति होला
॥ ५ पुलाव रेला कर तः कल हरेषला ॥ तल लाव रेला कर तः मित्रुक
त आवै ॥ दाहिना कान कर तः कल हवा त आवै ॥ वाडि कान कर
त दुष पावै ॥ माशना प्र कर तः मित्र लाभ होई ॥ ५ पुलाव ठ कर
त लाभ होला ॥ ५ धो वं ठ कर तः मित्र वा त आवै ॥ मित्रा कर
त जो जन मिलै ॥ दाहिना भुजा कर तः भुजा मित्र वा त आवै ॥ वाडि
भुजा कर तः स्वामि दुसन मिलै ॥ हिदया कर तः माता पिता को
प्रभु ना सने ॥ नाभि कर तः प्रान ना सने ॥ कंभा कर तः घर
प्राप्ति मिलत ॥ गुह कर तः मा हा ग्रह ॥ आसन कर तः रं म मा
॥ जा ठा कर तः पुत्र लाभ ॥ पै तला कर तः आगे लान देवान

अ का ग क र धे क वि वा र हो ॥ १ ॥ पंदि को व व न रु ना यो ज ते है जो री
स वै मि सा व नु ॥ २ ॥ दू कि दू कि ह र ले ६ भा ग से क र हे वि वा र ॥ १ ॥ पा ६ हो ॥
त ॥ ला भ दे वै ॥ २ ॥ पा ६ हो त पा हु ना अ वै ॥ ३ ॥ पा ६ हो त क ल ह
रे सा वै ॥ ४ ॥ पा ६ हो त म र नु ज ना वै ॥ ५ ॥ पा ६ हो त सु तुर को
त दू ग ति आ वै ॥ ६ ॥ पा ६ हो त आ फ न स ह जै क र यो ॥ ७ ॥ ये ति का ग को
वि वा र रु ५

अ थ व स रु ६ धे को वि वा र ॥ अ वि दे ॥ द ठ त सु भ ॥ स ह क र ॥
द ठ त सु भ हो ला ॥ वि क ल ॥ उ ठ त भ लो हो ला ॥ ष ड र् इ त ॥ उ ठ त क ल
हो ला ॥ प्र स प्र स न ॥ उ ध त क ल ह हो ला ॥ ना म ह य ॥ उ ध त सु भ हो ला
द न ॥ उ ठ त प्रा जे सि धी हो ला ॥ त्रि स न ॥ उ ठ त ला भ ॥ उ द न
उ ठ त क ट क ॥ भा व न ॥ उ ठ काल ष ति हो ला ॥ ज ति क ॥ उ
ठ त ला भ हो ला ॥ ज र म र न ॥ उ ठ त वि जो क ग् दे षि ला ॥ ये
ति व स रु ६ धे को वि वा र रु ५

अथ मुसाले वस्त्र काटे को विर ॥ ॥ अविदे ॥ का
ट तः कल टला जे ॥ सह कर ॥ काट तः घर मा मुजे नि
को भये होई ॥ विकला काट त ना सि वस्त्र तु हते परे
॥ नाम रुम ॥ काट त मुं न प्रानि हात परे ॥ प्रडाईत ॥
काट त ला भ होई ॥ जरा मर नं ॥ काट त मन विं ताई ॥ प्र
स पुन ॥ काट त आ फना को हि मर नं ॥ त्रि स ना ॥ काट
त को हि कल ह ग्र नं ॥ उपदा न ॥ काट त ला भ ॥ भ व न ॥
काट त रा तु नु होई ॥ जति क ॥ काट त कल ह होई ॥ धो
ति मुसाले लुगा काटे को प्र द दे हे नु लु

ये को: बोरे को: हेर ने

आम मरुवा
ASIA ARCHIVES

24/8

म	द	रोम मंडा ३ पु ५ ति ५ म ६ म ७ प व वि सा	वा उ दि पा व ला
म	धे	जो १ म २ पु ३ उ ४ स ५ म ६ स ७ प ८ दि म	स हि मे ना दि
उ	ले	वं पु १ उ २ रे ३ म ४ म ५ क्रि ६ रो ७ उ ८ त्र दि सा	वी रा ले टि पा य ने

१	२	३	४	५
६	७	८	९	१०
११	१२	१३	१४	१५
१६	१७	१८	१९	२०
२१	२२	२३	२४	२५

११ वि नु दो ष ॥ २ कु लों दे व दो ष ॥ ३ ना ग ॥
 ४ ॥ झों मिं ॥ ५ ॥ श्री म सिं ॥ ६ ॥ म सां ॥ ७ ॥
 डी नि ॥ ८ ॥ सुं ने ॥ ९ ॥ गृ ह ॥ १० ॥ वं न वं द ॥
 ११ ॥ दे उ रा लि ॥ १२ ॥ सुं ने ॥ १३ ॥ न ज र प रे
 को ॥ १४ ॥ वा यु गो ला ॥ १५ ॥ दे उ का उ ॥ १६ ॥
 पि ना स ॥ १७ ॥ रु सा रो ग ॥ १८ ॥ ग ड ला ॥
 १९ ॥ गो सा ई ॥ २० ॥ सुं ने ॥ २१ ॥ रा ह ॥ २२ ॥
 वा यु ॥ २३ ॥ ज ल म सां ॥ २४ ॥ डी नि ॥ २५ ॥
 लो च द्र ॥ हे र ने कु से

ताल वा सुं के
 पा बी वा ग वा
 मि नि स र स
 ली